



NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6 HINDI CHAPTER 3

1. केशव और श्यामा के मन में अंडों को देखकर तरह-तरह के सवाल क्यों उठते थे?

उत्तर:- केशव और श्यामा के मन में अंडों को देखकर अनेक प्रश्न उठते थे, अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? क्या खाते होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह आएँगे? बच्चों के पर कैसे निकलेगे? घोंसला कैसा है? क्योंकि वे अंडों के बारे में जानना चाहते थे।

2. अंडों के बारे में दोनों आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

उत्तर:- केशव और श्यामा दोनों आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दे दिया करते थे क्योंकि उनके प्रश्नों का उत्तर देनेवाला कोई नहीं था। न अम्मा को घर के काम-धंधों से फुरसत थी न बाबू जी को पढ़ने-लिखने से।

3. अंडों के टूट जाने के बाद माँ के यह पूछने पर कि - 'तुम लोगों ने अंडों को छुआ होगा।' के जवाब में श्यामा ने क्या कहा और उसने ऐसा क्यों किया?

उत्तर:- अंडों के टूट जाने के बाद माँ के यह पूछने पर कि - 'तुम लोगों ने अंडों को छुआ होगा।' के जवाब में श्यामा ने बताया कि केशव ने अंडों को छेड़ा था अम्मा जी। क्योंकि उसे लगा केशव ने ही शायद अंडों को इस तरह रख दिया कि वह नीचे गिर पड़े। इसकी उसे सजा मिलनी चाहिए।

4. पाठ के आधार पर बताओ कि अंडे गंदे क्यों हुए और उन अंडों का क्या हुआ?

उत्तर:- केशव के छूने से चिड़िया के अंडे गंदे हो गए और इसलिए चिड़िया उन्हें नहीं सेती। चिड़िया अंडों को घोंसले से गिरा देती है। इस तरह अंडे बर्बाद हो जाते हैं।

5. सही उत्तर क्या है?

अंडों की देखभाल के लिए केशव और श्यामा धीरे से बाहर निकले क्योंकि -

(क) वे माँ की नींद नहीं तोड़ना चाहते थे।

(ख) माँ नहीं चाहती थीं कि वे चिड़ियों की देखभाल करें।

(ग) माँ नहीं चाहती थीं कि वे बाहर धूप में घूमें।

उत्तर:- अंडों की देखभाल के लिए केशव और श्यामा धीरे से बाहर निकले क्योंकि माँ नहीं चाहती थीं कि वे बाहर धूप में घूमें।

6. केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की

देखभाल के लिए किन तीन बातों का ध्यान रखा?

उत्तर:- केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा -

1. आराम के लिए कपड़ा बिछाया।
2. धूप से बचाने के लिए टोकरी से ढक दिया।
3. पास में दाना और पानी की प्याली भी रखी।

7. कार्नेस पर अंडों को देखकर केशव और श्यामा के मन में जो कल्पनाएँ आईं और उन्होंने चोरी-चुपके जो कुछ कार्य किए, क्या वे उचित थे? तर्क सहित उत्तर लिखो।

उत्तर:- कार्नेस पर अंडों को देखकर केशव और श्यामा के मन में जो कल्पनाएँ आईं और उन्होंने चोरी-चुपके जो कुछ कार्य किए, वे उचित नहीं थे। परंतु उनकी बालसुलभ जिज्ञासाओं का उत्तर देने के लिए कोई नहीं था और उन्हें इस बात का भी ज्ञान नहीं था कि चिड़िया के अंडे को नहीं छूते। वह तो उसे सुख-सुविधाएँ देना चाहते थे। अगर उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया होता तो वह ऐसा नहीं करते।

8. पाठ से मालूम करो कि माँ को हँसी क्यों आई? तुम्हारी समझ से माँ को क्या करना चाहिए था?

उत्तर:- माँ को बच्चों की नादानी व अज्ञानता पर हँसी आ गई। माँ को बच्चों को अंडों के बारे में जानकारी देनी चाहिए थी।

9. माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

उत्तर:- माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में चिड़िया के अंडों के लिए टोकरी और दाना-पानी रखने बाहर निकल आए। पिटाई के डर से, माँ पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण नहीं बताया।

10. प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उत्तर:- मैं इस कहानी में आई बचपन की नादानियों को देखते हुए इसका नाम 'बचपन की नादानियाँ' रखना चाहूँगा।

11. अनजाने में हुई गलती पर केशव को कई दिनों तक अफ़सोस होता रहा। दोबारा उससे कोई ऐसी गलती न हो इसके लिए तुम उसे क्या सुझाव दे सकते हो, इसे लिखो।

उत्तर:- केशव से दोबारा ऐसी गलती न हो इसके लिए मैं निम्नलिखित सुझाव देना चाहूँगा -

1. अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करें।
2. अगर उन्हें कुछ करने से रोका जा रहा है तो उसके पीछे की वजह समझने का प्रयास करें।
3. अपनी नवीन योजनाओं की चर्चा अपने माता-पिता, शिक्षक से करें व उनकी राय जानने के प्रयास करें।

***** END *****